

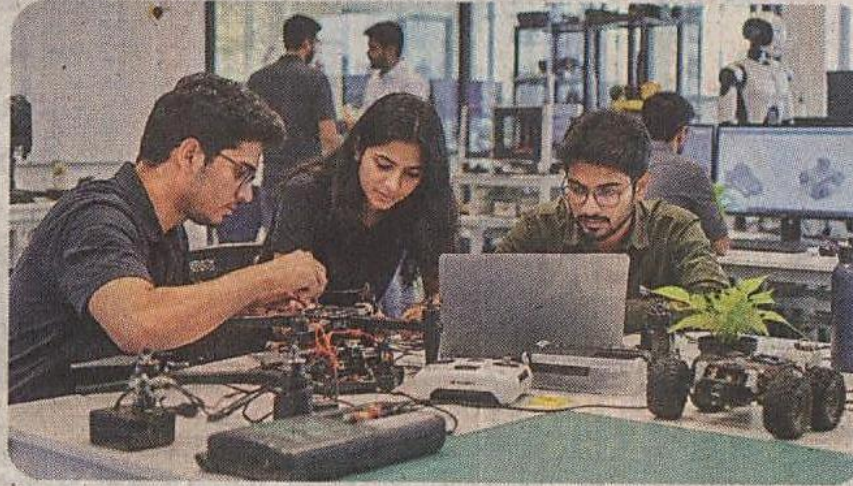
IIT INDORE

लॉन्चपैड में रिसर्च से प्रोटोटाइप, टेस्टिंग, निवेश, बाजार तक पहुंचेगी तकनीक 100 डीप-टेक स्टार्टअप बनेंगे, 300 को मिलेगा जॉब

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

इंदौर को डीप-टेक स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बनाने की तैयारी है। आईआईटी इंदौर से जुड़े टूटि सीपीएस फाउंडेशन का सिंहासा आईटी पार्क स्थित लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर अगले सात साल में करीब 100 स्टार्टअप तैयार करने और 200 से 300 रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में काम करेगा। इस सेंटर में स्टार्टअप को सिर्फ बैठने की जगह नहीं मिलेगी, बल्कि उनके आइडिया को प्रोटोटाइप में बदलने, उसकी टेस्टिंग करने और आगे बाजार तक ले जाने में मदद की जाएगी।

करीब 10 हजार वर्गफीट में बने सेंटर में इनक्यूबेशन स्पेस के साथ आधुनिक



लैब और इंटेलिजेंट मैनुफैक्चरिंग की सुविधा है। यहां एआई, डिजिटल हेल्थ, मेडटेक, रोबोटिक्स, स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले स्टार्टअप

को विशेषज्ञों की सलाह, प्रोटोटाइप बनाने, टेस्टिंग, निवेशकों और कंपनियों से संपर्क और पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने में मदद मिलेगी। इसके अन्य उपयोग भी किए जा सकेंगे।

अब प्रोटोटाइप को जमीन पर उतारने की तैयारी

नई पहल में खास जोर इस बात पर है कि लैब में तैयार तकनीक सिर्फ मॉडल बनकर न रह जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल वास्तविक दुनिया में हो। डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में चल रहे दिशा-3.0 जैसे कार्यक्रमों के जरिए तैयार प्रोटोटाइप को आर्थिक मदद, पेटेंट कराने, तकनीकी परीक्षण, पायलट प्रोजेक्ट व बाजार तक पहुंचाने में सहयोग दिया जा रहा है। फायदा यह होगा कि इस तकनीक को लैब के बजाय अस्पताल, उद्योग, खेती आदि में आजमाया जा सकेगा।